Indra Gandhi National Open University
Regional Centre, Dehradun

Admission cum Awareness Camp for Jail inmates at IGNOU SC31011D District Jail, Suddhowala, Dehradun on 23-07-2014

An Admission cum Awareness Camp was organized by Regional Centre Dehradun at IGNOU Study Centre 31011D District Jail, Suddhowala Dehradun on 23.7.2014. The jail inmates were encouraged to engage themselves in studies and to join different programmes of IGNOU by Dr Anil Kumar Dimri, RD and Dr NR Prasad, ARD. More than 250 jail inmates enrolled themselves in different programmes of IGNOU.

जेल बंदियों के लिए खोली इग्नू ने उच्च शिक्षा की राह

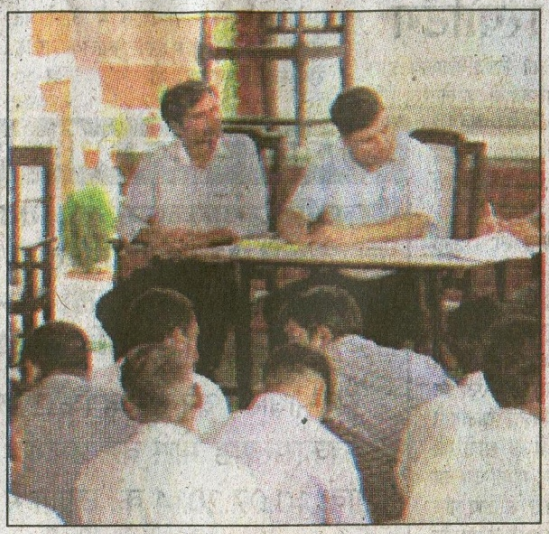

जेल में आयोजित कैंप में जानकारी देते इग्नू के पदाधिकारी।

देहरादून (एसएनबी)। जेल बंदियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए इग्नू ने विशेष मुहिम शुरू की है। जिसके तहत जेल में बंद हजारों कैदियों को अब उच्च शिक्षा ग्रहण करना काफी आसान हो जायेगा। इसके लिए बकायदा इग्नू की ओर से विशेष शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसमें सैकड़ों कैदियों ने प्रतिभाग किया।

बुधवार को सुद्धोवाला जिला जेल में इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून द्वारा प्रवेश एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जेल अधीक्षक व इग्नू जेल अध्ययन केंद्र के समन्वयक महेन्द्र सिंह ग्वाल एवं डिप्टी जेलर संजय वर्मा के नेतृत्व में किया गया। शिविर में जेल के 300 से अधिक बन्दियों ने प्रतिभाग लिया। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. अनिल कुमार डिमरी ने बताया कि इग्नू से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात जब बन्दी घर वापस जाते हैं तो उनकी शिक्षा उन्हें रोजगार प्राप्त करने एवं समाज में सम्मानित जीवनयापन करने का आधार बनती हैं। डिमरी ने कहा कि जेल के बन्दियों की कोई आय नहीं होती है, इस बात को ध्यान में रखते हुए इग्नू द्वारा उन्हें निःशुल्क शिक्षा एवं पाठ्यक्रम सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। डा. डिमरी ने बताया कि इग्नू में प्रवेश लेने के बाद बन्दी शिक्षार्थी अपना अध्ययन जेल से छूटने के बाद भी जारी रख सकता है।

■ जिला जेल में विशेष शिविर का आयोजन किया गया

इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. एनआर राजेन्द्र प्रसाद ने बन्दियों को इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम एवं परीक्षा आदि विषयों की जानकारी दी। डा. प्रसाद ने बताया कि प्रवेश शिविर में एडमिशन लेने वाले बन्दियों को सत्र जुलाई 2014 के अन्तर्गत प्रवेश दिया जाएगा। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र की टीम के द्वारा सुद्दोवाला जेल परिसर में इग्नू के प्रवेश फार्म व अन्य सूचनाओं संबंधित प्रदर्शनी लगाकर प्रतिभागियों को पाठ्यक्रमों से अवगत कराया गया। जेल के 250 से अधिक बन्दियों ने बीए, बीकाम, बीटीएस, एमए जैसे लोकप्रिय पाठ्यक्रमों एवं पर्यटन अध्ययन, व्यवसायिक कौशल, मानवाधिकार, ग्राम विकास, पर्यावरण एवं सतत विकास, आपदा प्रबन्धन, गैर सरकारी संगठन प्रबन्धन, सूचना प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता संरक्षण, परियोजन मूलक अंग्रेजी, भोजन एवं पोषण जैसे बहुउपयोगी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सो में प्रवेश के लिए आवेदन किया है।

जेल में राजेश गुलाटी पढ़ाएगा गणित

इग्नू ने दी कैदियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी, साफ्टवेयर इंजीनियर पर है पत्नी की हत्या का आरोप

आफताब अजमत

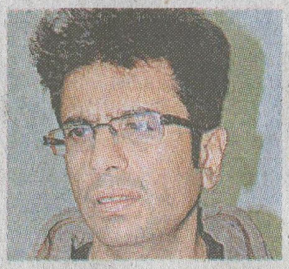

देहरादून। चर्चित अनुपमा गुलाटी हत्याकांड के आरोपी राजेश गुलाटी अब जेल में साथी कैदियों को गणित पढ़ाएगा। साफ्टवेयर इंजीनियर रहे राजेश को इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जेल में अपना काउंसलर बनाया है। उस पर कैदियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देने और पढ़ाने की जिम्मेदारी है।

दिसंबर 2010 में पुलिस समेत आम जनता को हिला देने वाले अनुपमा हत्याकांड का खुलासा हुआ था। तब से आरोपी और अनुपमा का पति राजेश गुलाटी सुद्धोवाला जेल में बंद है। हाल में इग्नू ने जेल परिसर में कैंप लगाया, जहां 250 कैदियों ने विवि के विभिन्न कोर्स के लिए आवेदन लिया है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. एके डिमरी ने बताया कि कैदियों में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए अच्छा रुझान दिखा। बताया कि जेल में कई उच्चशिक्षित कैदी भी हैं। ये कैदी बाकी कैदियों को कोर्स की जानकारी देने के अलावा उन्हें पढ़ाने में भी मददगार हो सकते हैं। डा. डिमरी ने बताया कि ऐसे कैदियों में राजेश गुलाटी भी शामिल है। इग्नू ने राजेश को अपना काउंसलर बना दिया है। वह कैदियों को गणित और कंप्यूटर की शिक्षा प्रदान करेगा। हर काउंसिलिंग के लिए उसे 750 रुपये दिए जाएंगे। डा. डिमरी ने बताया कि कैदियों की पढ़ाई के अलावा परीक्षाएं भी जेल परिसर में ही आयोजित की जाएंगी।

■ क्लास के साथ जेल परिसर में ही होंगी परीक्षाएं भी

अनुपमा के शव के किए थे 72 टुकड़े

14 दिसंबर 2010 को हत्याकांड के खुलासे के बाद उसी दिन राजेश गुलाटी को गिरफ्तार कर लिया गया था। राजेश ने 17 अक्तूबर 2010 को पत्नी की हत्या कर दी थी। आरोप था कि राजेश ने दो माह तक शव को घर में डीप फ्रीजर में रखा था और स्टोन कटर से टुकड़े कर धीरे-धीरे ठिकाने लगा रहा था। राजेश पर शव के 72 टुकड़े करने का आरोप था। उसकी निशानदेही पर मसूरी रोड पर मालसी के जंगल से अनुपमा का पैर बरामद किया गया था। राजेश के दोनों बच्चों की कस्टडी अनुपमा के भाई एसके प्रधान हासिल कर चुके हैं। जुड़वां बच्चे सोनाक्षी और सिद्धांत अब दिल्ली में रह रहे हैं।

पीएचडी कैदी भी काउंसलर

सुद्धोवाला जेल में कई पीएचडी धारक और इंजीनियरिंग कर चुके बंदी मौजूद हैं। इग्नू ने राजेश गुलाटी के अलावा इन सभी कैदियों को भी काउंसलर बनाया है। सभी कैदियों को अलग-अलग विषय पढ़ाएंगे। इसके एवज में उन्हें इग्नू की ओर से पैसा दिया जाएगा।

इन कोर्स की कैदियों में मांग

डा. डिमरी ने बताया कि अभी तक अधिकतर कैदियों ने सर्टिफिकेट इन फूड एंड न्यूट्रीशियन, बैचलर प्रीपेरेटरी प्रोग्राम के अलावा बीए, बीकॉम और बैचलर इन सोशल वर्क के लिए फार्म खरीदा है। इसके अलावा कुछ ने बीसीए तो कुछ ने आपदा प्रबंधन कोर्स में भी रुचि दिखाई है।

डा. डिमरी ने बताया कि इग्नू कैदियों को निशुल्क शिक्षा एवं पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराता है। कैदी जेल से छूटने के बाद भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. एनआर राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होते ही कैदियों को स्टडी मैटेरियल उपलब्ध करा दिया जाएगा।

देहरादून जागरण

दैनिक जागरण | 9

ढाई सौ बंदियों ने इग्नू में किया आवेदन

- सुद्धोवाला जेल में आयोजित हुआ प्रवेश व जागरूकता शिविर
- बीए, बीकॉम, एमए समेत दर्जनों कोर्स के लिए किए आवेदन

संवाद सहयोगी, देहरादून: सुद्धोवाला जिला जेल में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के तत्वाधान मे बंदियों के लिए प्रवेश व जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 300 बंदिों ने भाग लिया। इनमें से 250 से अधिक बंदियों ने इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया।

बुधवार को जेल अधीक्षक व इग्नू जेल अध्ययन केंद्र के समन्वयक महेंद्र सिंह ग्वाल की अध्यक्षता में प्रवेश व जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल डिमरी ने बंदियों को जेल में उनके लिए चलाए जाने वाले शिक्षा कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश भर में इग्नू जेल बंदियों को उच्च शिक्षा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का अध्ययन कराती है। जिससे वे जेल से बाहर जाकर अपनी सरल और सम्मानजनक जिंदगी जीते हैं। हर साल देहरादून और हरिद्वार जेलों के सैकड़ों बंदी इग्नू में रजिस्टर्ड होते हैं। इस अवसर पर प्रवेश फार्म व अन्य सूचनाओं संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें बंदियों ने भी उत्सुकता के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। बंदियों ने इग्नू के बीए, बीकॉम, बीटीएस, एमए जैसे पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य विषयों में भी रुचि दिखाई। 250 से अधिक बंदियों ने पर्यटन अध्ययन, व्यवसायिक कौशल, मानवाधिकार, ग्राम विकास, पर्यावरण एवं सतत विकास, आपदा प्रबंधन, गैर सरकारी संगठन प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता संरक्षण, परियोजना मूलक अंग्रेजी, भोजन एवं पोषण जैसे बहुउपयोगी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया। इग्नू का क्षेत्रीय केंद्र शीघ्र ही उनकी प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कराएगा।

कैदियों को अध्ययन सामग्री निशुल्क उपलब्ध करवाएगा विश्वविद्यालय

250 कैदी लेंगे इग्नू में दाखिला

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

- विवि के क्षेत्रीय कार्यालय ने सुद्धोवाला जेल में लगाया विशेष शिविर
- कैदियों को विश्वविद्यायल के डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों की दी गई जानकारी

सुद्धोवाला जेल में बंद कैदियों में से 250 ने बुधवार को इग्नू से पढ़ाई करने की इच्छा जताई और आवेदन फार्म भी खरीदा। विवि के देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय की तरफ से बुधवार को जेल परिसर में विशेष शिविर लगाया गया था।

कैदियों से बात करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल डिमरी ने कहा कि देशभर के बड़े शहरों में कैदी इग्नू से पढ़ाई कर अपना भविष्य संवार रहे हैं और बीते कुछ वर्षों से देहरादून और हरिद्वार जेल के कैदी भी इसकी तरफ आकर्षित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कैदियों को विवि अध्ययन सामग्री बिलकुल निशुल्क उपलब्ध कराता है, क्योंकि उनकी आय का कोई साधन नहीं होता। उन्होंने बताया कि अगर कोई कैदी कोर्स पूरा होने से पहले रिहा होता है तो उसके लिए बाहर कहीं भी आगे की परीक्षा देने की सुविधा भी है। डॉ. डिमरी ने कैदियों को इग्नू द्वारा संचालित किए जा रहे डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को लगभग ढाई सौ कैदियों ने आवेदन फार्म लिए हैं और एडमिशन लेने की इच्छा जताई। इस मौके पर जेल अधीक्षक महेन्द्र सिंह ग्वाल एवं डिप्टी जेलर राकेश वर्मा ने भी कैदियों को प्रेरित किया।

प्रवेश
प्रारम्भ

प्रवेश
प्रारम्भ

प्रवेश
प्रारम्भ